अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'नारी शक्ति' विषय पर सम्मेलन

अहमदाबाद-सुख शांति भवन। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. नंदा ने कहा कि नारी उन्नत समाज की आधारशिला है। आदि काल से अब तक भी नारी का ऊँचा स्थान रहा है। अब समय की मांग है कि नारी स्वयं की शक्तियों को पहचाने और विश्व में अपनी अद्‌भुत शक्तियों का परचम लहराये।

श्रीमती निशा बहन झा,कॉर्पोरेटर, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कांकरिया बोर्ड, अहमदाबाद ने कहा कि समाज में नारी की अनेक भूमिकायें हैं। नारी ने अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का साहस दिखाया है। अगर उसे योग्य अवसर दिया जाए तो वो किसी से भी पीछे नहीं रह सकती और समाज में कंधे से कंधा मिलाकर तरक्की की मंज़िल को छू सकती है।

श्रीमती वनिता बहन व्यास,प्रमुख,स्वयम् सिद्ध फाउण्डेशन ने कहा कि आज नारी का जो रूप है वो वास्तव में काफी परिवर्तन हो चुका है, किन्तु हमें अपने वास्तविकता को पहचान कर अपनी आंतरिक शक्तियों को उजागर करना ही सच्चे अर्थ में महिला दिवस मनान होगा।

श्रीमती शिल्पा शाह,डायरेक्टर,कथक डांस अकादमी ने कहा कि नारी के अनेक रूप हैं। वो एक माँ, बहन, बेटी, पत्नी बन सकती है, लेकिन वास्तव में देखें तो वो एक देवी भी है। आदिकाल से ही देवों के नाम से पहले देवी अर्थात् नारी का नाम लिया जाता है, जैसे कि - सीताराम, राधेकृष्ण, लक्ष्मीनारायण।

श्रीमती कामिनी बहन राव,प्रिन्सीपल,स्वामी नरायण आर्ट्स कॉलेज ने कहा कि नारी यदि स्वयं की क्षमताओं को जान ले व आध्यात्मिक पहलू को अपने जीवन के साथ जोड़कर आगे बढ़े तो कोई भी ताकत उसे रोक नहीं सकती।

अखिल हिन्द महिला परिषद की प्रमुख श्रीमती शिवानी महेता ने बताया कि आज एक नारी ने हिम्मत करके अपने साथ हुए अन्याय को विश्व के आगे रख कर सारे विश्व की नारियों में हिम्मत भर दी है। ऐसी नारियाँ वंदनीय हैं।

अहमदाबाद आकाशवाणी की उद्‌घोषक एवं समाचार वाचक श्रीमती हीना बहन मोदी ने कहा कि नारी का स्थान शुरू से ही वंदनीय, पूजनीय, माननीय रहा है। आज की नारी आने वाले समय के लिए एक नया इतिहास बना सके इतनी शक्तिशाली है, केवल उसमें मूल्यों और आध्यात्मिकता का एक और पंख लग जाये तो सुनहरा भविष्य बना सकती है।

लेखिका एवं समाज सेविका श्रीमती वीणा बहन शेठ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एक पुरुष धन के लिए माँ लक्ष्मी के पास जाता है, शक्ति के लिए माँ दुर्गा के पास जाता है, विद्या के लिए माँ सरस्वती की आराधना करता है। तो देवियाँ शुरू से ही देवों के साथ ही निवास करती आई हैं, इसलिए शिवशक्ति गाया जाता है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ गुजरात की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि आज का दिन परमात्मा का आभारदर्शन करने का दिन है कि वो आज की नारी को लक्ष्मी समान बनाने स्वयं अवतरित हुए हैं। स्वयं परमपिता परमात्मा ने विश्व नवनिर्माण का भगीरथ कार्य बहनों के सिर पर रखा है। उसे हमें आगे बढ़ाना है, यही हमारा श्रेष्ठ कर्त्तव्य होना चाहिए।

दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. सरला, निशा झा, वनिता व्यास, शिल्पा शाह, कामिनी राव, डॉ. दर्पणा शाह, शिवानी महेता, हीना मोदी तथा वीणा शेठ।

78वाँ जन्मदिवस भी मनाया

आज के दिन पर साथ-साथ सरला दीदी का 78वाँ जन्मदिवस भी मनाया गया। राजयोगिनी सरला दीदी की आध्यात्मिक सेवाओं के बहुमूल्य योगदानों को देखते हुए आमंत्रित महिला मेहमानों ने विभिन्न विधि से श्रृंगारित कर उन्हें सम्मानित किया। केक काट कर सभी का मुख मीठा कराया गया। सभी को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्रह्माकुमारी नंदिनी ने किया।

राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी को उनके जन्मदिवस पर शॉल पहनाकर सम्मानित करते हुए हीना मोदी।

विश्व शांति एवं एकता के लिए सर्व धर्म सम्मेलन का आयोजन

गोंदिया-महा.। आज के युग में बढ़ रही दूरियों को मिटाने के लिए ऐसे धर्म सम्मेलन की बहुत आवश्यकता है - मौलाना शब्बीर अहमद अशरफी।

राजयोग एक सकारात्मक सोच, अनुभव एवं स्वस्थ प्रणाली है जिसके माध्यम से हम सभी एक हो सकते हैं - राजयोगिनी ब्र.कु. रुक्मणि, संचालिका ब्रह्माकुमारीज़, अकोला क्षेत्र।

विश्व शांति एवं धार्मिक एकता के लिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सर्व धर्म सम्मेलन का आयोजन पवार सांस्कृतिक भवन,कन्हार टोली गोंदिया में किया गया। सभी धर्मों के प्रतिनिधी इस कार्यक्रम में शामिल हुए जिसमें मौलाना शब्बीर अहमद अशरफी, फादर एच. हैरी,(मेथोडिस्ट चर्च) ज्ञानी किरनपाल सिंह जी, (गुरूद्वारा श्री तेगबहादुर साहिब) श्री गोविन्द येड़े (जिला संयोजक गायत्री परिवार), श्री विनोद जैन (ट्रस्टी, दिगंबर जैन मंदिर), बौद्धाचार्य श्री एन. एल. मेश्राम,केंद्रिय शिक्षक तथा अन्य गणमान्य जन।

मौलाना शब्बीर अहमद अशरफी, फादर एच. हैरी, ज्ञानी किरनपाल सिंह जी, श्री गोविंद येड़े, विनोद जैन, बौद्धाचार्य श्री एन. एल. मेश्राम, ब्र.कु. नारायण,म.प्र., ब्र.कु. रुक्मणि, ब्र.कु. रत्नमाला, अशोक इंगले तथा अन्य।

कार्यक्रम के उद्‌घाटन अवसर पर मा. अशोक इंगले न.प. अध्यक्ष तथा गोंदिया नगर परिषद के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी प्रमुख अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने आज समाज में घट रहे आपसी प्रेम के लिए समय पर ऐसे आयोजन को बहुत ज़रूरी बताया। सभी ने अपने संबोधन में 'सबका ईश्वर एक' होने की बात कबूल की और उसे सत्य स्वरूप बताकर एक निराकार के रूप में ही ईश्वर के अस्तित्व को बताया।

उद्‌घाटन सत्र में प्रेरणादायी मुख्य वक्ता राजयोगिनी ब्र.कु. रुक्मणि ने कहा कि परमात्मा अभी कलियुग के अंत समय में इस धरती पर अवतरित होकर राजयोग की शिक्षा से सभी को पावन बना रहे हैं और जैसा कि शास्त्रों में बताया गया है कि सतयुग में एक धर्म, एक राज्य था वो ही फिर से हो रहा है। अब तो बस हम सभी को आपस में मिलकर उस निराकार ज्योति स्वरूप के ज्ञान को धारण कर अब फिर से भारत को स्वर्ग बनाना है। अब वो समय आ गया है कि हम धर्म, जाति की दीवारों से ऊपर उठकर आत्मिक भाव में रहकर सद्‌भावना और समरसता के समाज का निर्माण करें।

रायोगी ब्र.कु. नारायण ने कहा कि सम्बंधों में सन्तुलन और उत्कृष्टता का आधार मनुष्य आत्मा का परमात्मा के साथ मन और बुद्धि से स्नेहयुक्त सम्बध या संयोग है, जिसे रायजोग कहा जाता है। जिसके नियमित अभ्यास से हमारे चिंतन, चरित्र, संस्कार और आचरण पवित्र सभ्य श्रेष्ठ दैवी बन जाते हैं, और हमारे सकारात्मक परिवर्तन के आधार पर समाज, पर्यावरण, प्रकृति, संस्कृति और सत्यता भी दैवी, सतोगुणी, सुखदाई और सतयुगी बन जाती है।

कार्यक्रम में सभी धर्म स्थापकों को एक झाँकी के माध्यम से दिखाया गया। कार्यक्रम के अंत में ब्र.कु. नारायण ने आपसी मेलजोल से रहने की प्रतिज्ञा भी सभी से करवाई। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. विनोद हरिनखेडे, ब्र.कु. त्रिलोचन बग्गा तथा ब्र.कु. शर्मीला ने किया। वहीं अभार प्रदर्शन ब्र.कु. वीणा ने किया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Apr 2017
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।